Title: Need to safeguard the interests of Powerloom/Handloom workers in Bhagalpur, Bihar-Laid.

श्री सुबोध राय (भागलपुर) : भागलपुर का विश्व विख्यात सिल्क उद्योग अपर्याप्त बिजली की आपूर्ति, सूत एवं अन्य उपयोगी सामानों के अभाव में चरमरा गया है। फलस्वरूप दस हजार पावरलूम/हैंडलूम पर कार्यरत बुनकर, उनका परिवार तथा इस उद्योग से जुड़े करीब 5 लाख से अधिक गरीबों का परिवार भीाण भुखमरी की स्थिति से गुजर रहा है और पलायन के लिए बाध्य हो गया है। इलाके का सम्पूर्ण व्यवसाय मरणासन्न है और विकास की सारी प्रक्रिया ठप्प हो गयी है। बिहार पुनर्गठन के बाद केन्द्र सरकार द्वारा राज्य को आर्थिक पैकेज नहीं देने के परिणाम स्वरूप उपरोक्त स्थिति और भी बदतर हुई है।

अतएव भारत सरकार से मांग है कि उपरोक्त स्थिति को सुधारने के लिए सरकार कहलगांव एनटीपीसी से सीधे बिजली की आपूर्ति करने तथा सूत की उपलब्धता के बारे में सार्थक कदम उठाये।